13. १००८ श्री विमलनाथ जी

यक्ष
पाताल

चिन्ह
शूकर

वर्ण
पीतवर्ण

यक्षिणी
गान्धारी

अर्घ

आठों दरब संवार, मनसुख दायक पावने।
जजौं अरघ भर थार, विमल शिवतिय रमन॥

ॐ ह्रीं श्री विमलनाथ जिनेन्द्राय अनर्घ्य पद प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

ज्येष्ठ कृष्णा-१०

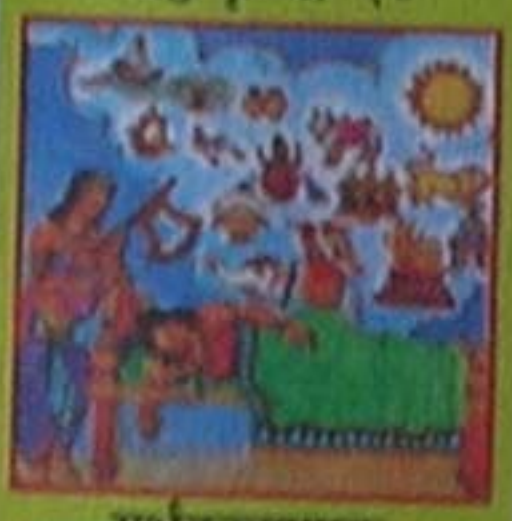

गर्भकल्याणक

माघ शुक्ला-४

जन्मकल्याणक

माघ शुक्ला-४

तपकल्याणक

माघ शुक्ला-६

केवलज्ञान कल्याणक

पिता: कृतवर्मा
माता: जयश्यामा

मोक्ष स्थान श्री सम्मेदशिखर जी

आषाढ़ कृष्णा-८

मोक्षकल्याणक